सकारात्मक- सूचनात्मक उपयोगी समाचार

डाक पंजीकरण संख्या–मेरठ–153–2025–2027
RNI No. UPHIN/2009/31760
प्रथम प्रकाशन 2 अक्टूबर 1981

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर

केन्द्र सरकार, राज्य सरकार उत्तर प्रदेश, विद्युत विभाग से विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

आनंद रामायण
YouTube Channel
@Shram Shikhar
@Sadbhavna Waves
WATCH SHARE & SUBSCRIBE
ऑनलाइन/ऑफलाइन कार्यक्रम कवरेज लाईव/ रिकॉर्डिगं उपलब्ध है।
M. 9219660359

श्रीकृष्णा भवन (गली अपोजिट शिवलोक कॉम्पलैक्स) 283, वैस्टर्न कचहरी मार्ग, मेरठ। फोन: 0121-2641338 E-mail : shramshikhar@gmail.com

वर्ष 16 अंक 46 विक्रम संवत 2081 कार्तिक शुक्ल दशमी से मार्गशीर्ष कृष्ण द्वितीया 11 नवम्बर सोमवार से 17 नवम्बर रविवार 2024 तक पृष्ठ 04 मूल्य 8रु/-

शासन-प्रशासन जानकारियां

वर्ष 2024 का सम्भवतः आखरी मतदान महाराष्ट्र, झारखण्ड विधानसभा व 14 राज्य उप चुनाव 13 व 20 नवम्बर तथा परिणाम 23 नवम्बर को

भारतीय लोकतंत्र का एक ओर आखरी इम्तिहान

महाराष्ट्र व झारखण्ड में 23 नवम्बर सामने आने वाला है। इन प्रदेशों के मतदाता महाराष्ट्र में 20 नवम्बर को 288 विधानसभा के लिए व झारखण्ड में 81 सीटों के लिए 13 व 20 नवम्बर को दो फेस में मतदान कर अपने राज्यों की विधानसभा सदस्य चुनने जा रहे है। भाजपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन एक बार इसके साथ ही केरल की वायनाड व महाराष्ट्र की पुन: आमने सामने है। व महाराष्ट्र की नांदेड लोकसथा व 14 राज्यों पंजाब की चार, राजस्थान की सात व गुजरात की एक, मध्यप्रदेश की दो व छत्तीसगढ की एक तथा कर्नाटक की तीन तथा केरल की दो, उत्तर प्रदेश की नौ तथा बिहार की चार व उत्तराखण्ड की एक, सिक्किम की दो, असम की पाँच व पश्चिम बंगाल की छ: विधान सभा के उप चुनाव भी 13 नवम्बर को मतदाता एक बार पुन: मतदान कर अपना जन-प्रतिनिधि चुनेगें।

अधिकाश: उप-चुनाव विधानसभा के सदस्य के संसद चुनाव जीतने से खाली हुई या फिर दो स्थान से चुनाव लड़ने से एक स्थान छोडनें से मतदाता मतदान करने को मजबूर हुए है।

एक देश, एक चुनाव व्यवस्था के समर्थक मतदाता कहते है कि एक व्यक्ति के एक से अधिक स्थान या फिर अपनी वर्तमान सीट लडने वालों से रिक्त गई सीट के चुनाव का खर्च वसूला जाना चाहिए। एक देश एक चुनाव में उपचुनाव की नो स्थिति पर नियन्त्रण होगा, चुनाव खर्च देश का भार , देश पर काम आयेगा।....

–श्रम शिखर ब्यूरो

बिना अनुमति इंडियन, नेशनल भारत, भारतीय और राष्ट्रीय शब्द उपधि प्रयुक्त पर रोक

बार कॉउसिल ऑफ इण्डिया (बी.सी.आई.) देशभर में विधि शिक्षा केन्द्रों, संगठन, संस्थानों ट्रस्ट सोसाइटी एंव एसोसिएशन द्वारा इंडियन नेशनल, भारत , भारतीय एंव राष्ट्रीय उपधि (टाइटल) प्रयुक्त करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

अब इसके लिए बी.सी.आई. से पूर्व अनुमति अनिवार्य है। विश्व विद्यालय विधि शिक्षा केन्द्र, संस्था, ट्रस्ट या संगठन राष्ट्रीय का हवाला देकर विभिन्न प्रतियोगिताए करा रही है। इसमें सेमिनार, कान्फ्रेस, मूक कोर्ट, यूट कोर्ट प्रतियोगिता इंडियन नेशनल, भारत, भारतीय और राष्ट्रीय नाम या उपधि प्रतिबन्धित करत हुए भ्रम उत्पन्न करते हुए ही कि बढती प्रवृत्ति रोकने के लिए बी.सी.आई. सचिव श्रीमति सेन द्वारा आदेश जारी किया गया। बी.सी.आई. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय , केन्द्रीय एंव राज्य विश्वविद्यालय के विधि विभाग ही उक्त टाइटल प्रयुक्त कर सकेगें बिना अनुमति केन्द्रो के उक्त टाइटल इस्तेमाल करने पर संदृढता भी खत्म हो सकेगी।

बी.सी.आई. के इस कदम का आम जन स्तार कर विशेष रूप से छात्रों ने स्वागत किया है।

बेहतर हो.....

सद्भावना समिति वरिष्ठ नागरिक फोरम ने उम्मीद जाहिर की है कि देश में इंडियन, नेशनल, भारत, भारतीय और राष्ट्रीय टाइटल का जिस तरह संगठनों, राजनीतिक पार्टी या सम्मानित उपधियों आदि के साथ खेल, शिक्षा, धार्मिक समाजिक गतिविधि में अनधिकृत इस्तेमाल हो रहा है। उनका क्षेत्र राष्ट्रीय तो क्या एक जनपद या मण्डल भी नही होता है। पर नियन्त्रण की व्यवस्था बेहतर होगी...

– श्रम शिखर ब्यूरो

29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक प्राप्त किये जायेंगे दावे एवं आपत्तियां– उप जिला निर्वाचन अधिकारी

अपर जिलाधिकारी प्रशासनध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी बलराम सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यकर अर्हता तिथि 1 जनवरी 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलिथी का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्वाचक नामावलियो का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 29 अक्टूबर 2024 को जनपद मेरठ के कुल 2758 मतदेय स्थलो पर बूथ लेविल अधिकारी द्वारा विहित प्रक्रिया के अनुसार का दिया गया है। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि दिनाक 29 अक्टूबर, 2024 से 28 नवम्बर, 2024 तक है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उक्त पुनरीक्षण के अंतर्गत दावें/आपित्तयों प्राप्त करने के लिए दिनाक 09 नवम्बर, 2024 (शनिवार), 10 नवम्बर, 2024 (रविवार), 23 नवम्बर, 2024 (शनिवार), 24 नवम्बर, 2024 (रविवार) विशेष अभियान की तिथि निर्धारित की गयी है।

– श्रम शिखर ब्यूरो

Print | Outdoor | Electronic | Signage | Film | Event | Magazine | Digital Media | Media International | Awareness Program | All News Paper
R- Reliable R-Reas on able
RR ADVERTISING SERVICES
Estd. 1979
Ph. 0121-2641338, 9412203620, 9219660360 | Email- rradvertisingmeerut@gmail.com

उत्तर पूर्व के प्रमुख शिक्षण संस्थान मेरठ कॉलिज की स्थायी प्रधानाचार्य को कमान– कितना ठहर पाते है

उत्तर भारत के आजादी पूर्व प्रमुख शिक्षण संस्थानों में प्रमुख महाविद्यालय मेरठ कॉलिज मेरठ एक कर पुन: चयन आयोग से चयनित डॉ० मनोज रावत के स्थायी प्रधानाचार्य व्यवस्था में आ गया है। ग्रांड आधारित शिक्षण संस्थानों में चयन आयोग से चयनित अधिकाशत: ठहर नही पाते है। इसका कारण उनका कॉलेज प्रबंधक की काठपुतली बन कर न रहना है। इस कारण अधिकाशत: में वैकल्पिक व्यवस्था के आधार पर अस्थाई प्रधानाचार्य वर्षो तक बनाये रखने में कॉलेज प्रबंधन की सूची रहती है। इनमें मेरठ कॉलिज भी एक है।

आगरा से संबन्धित डॉ० मनोज रावत का गत वर्ष चयन मेरठ कॉलेज प्रधानाचार्य के लिए हुआ था। इनका चयन स्थाई प्रधानाचार्य के लिए था परंतु उन्हें प्रबंधन ने अभी कार्यभार नही दिया था। लम्बी लड़ाई के बाद आखिर इन्हें विजय दशमी के बाद प्रधानाचार्य का कार्यभार अस्थाई प्रधानाचार्य डॉ० युद्धवीर सिंह द्वारा सौंप दिया गया । डॉ० युद्धवीर सिंह इससे पूर्व ही अस्थाई प्रधानाचार्य रहे हैं तथा विवाद भी इनका पीछा छोडते नही है इन्होनें विविधवत वर्ता न देने की बात कही है। कॉलेज में अस्थाई प्रधानाचार्य रखे की प्रबंधनमाह इसके लिए शिक्षको के पासें..... मेरठ कॉलेज में अस्थाई प्रधानाचार्य बनाये रखने की प्रबंधन की अब से पूर्व तक चाह रही एंव अस्थाई प्रधानाचार्य बनने की दौड़ के शिक्षक स्थाई प्रधानाचार्य द्वारा अपने के कार्य भार सम्भालने से ही शुरू हो जाती है। स्थाई प्रधानाचार्य के चयन के बाद उन्हें नियुक्ति देने से कॉलेज प्रबंधन ने जिस तरह अदालती दौड़ लगाई तथा अपने अस्थाई प्रधानाचार्य कार्य काल में प्रबन्ध समिति के चुनाव अधिकारी का दायित्व निर्वहन कर वर्तमान प्रबन्ध समिति गठन होने में भूमिका निर्वहन किया इससे स्थाई प्रधानाचार्य के लिए बनने रहने को चुनौती पूर्ण तो मेरठ में अन्य कॉलेज में स्थायी प्रधानाचार्य जो प्रबन्ध समिति से संघर्ष कर वापस लौट गये या फिर बड़े संघर्ष से बनने हुए है । मेरठ कॉलेज जो हर तरह से ऐ विश्व विद्यालय बनने की अर्हता रखता है। इसने ग्रेडिंग में भी उल्लेख मिलता है। विश्वविद्यालय कब पूरी होती है। मेरठ में वर्तमान में 8 विश्व विद्यालय बन चुके है। ***–श्रम शिखर ब्यूरो***

गतिशील भारत

जो बड़े से बड़े चिकित्सक हुए हैं
दुनिया में उन सभी के संबंध में यह बात है कि
उनकी दवा से ज्यादा उनके हाथ में गुण हैं
उनके हाथ में गुण का क्या अर्थ होता है अर्थ यह होता है कि
दवा को, जिस ढंग से, वे देते है, वह महत्वपूर्ण है– ओशो

सहभागी. FRIZZON TOUR & TRAVELS
Flight, Car, Cruise, Hotel, Train Booking
Domestic & International
frizzontravel.com | booking@frizzontravel.com
0121-2641338, 8266023450

सद्भावना समिति (पंजी0)
sadbhavnasamiti.in

गतिशील भारत

जो बड़े से बड़े अधिवक्ता हुए हैं
दुनिया में उन सभी के संबंध में यह बात है कि
संविधान से ज्यादा उनमें गुण हैं
उनमें गुण का क्या अर्थ होता है अर्थ यह होता है कि
कानून को, जिस ढंग से वो उसका उपयोग करते है,
वह महत्वपूर्ण है – ओशो

सहभागी. RR ADVERTISING SERVICES
Outdoor, Print, Events, Sign age, Film,
Media International & News Papers , Tour and Travels
website - rradvertisingmeerut.com
rradvertisingmeerut@gmail.com | RR Advertising Service
सद्भावना समिति (पंजी0) sadbhavnasamiti.in
0121-2641338, 9690331338

इन प्रतियों को काटकर प्रयोग करें।

जन–जन आमंत्रित है
निवेदन :- अपने यूट्यूब चैनल पर ओशो कीर्तन ध्यान खोलिएं और सार्वजनिक स्थल पर जन-जन के साथ प्रयोग कीजिए और अपने अनुभव शेयर कीजिए ।
Sadbhavna Waves
कीर्तन ध्यान
स्थान- निकटवर्ती पार्क
तिथि - प्रतिदिन
समय - एक घण्टा इच्छानुसार

प्रेरक: स्वामी राकेश सरस्वती - 9219660359
सद्भावना समिति (पंजी.)

प्रेरक : स्वामी नीरव असीम - 9219228529
(न्यू मैन फाउण्डेशन ग्लोबल)

सकारात्मक-सूचनात्मक उपयोगी समाचार प्रथम प्रकाशन 2 अक्टूबर 1981
E-Paper :shramshikhar.com
केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश विद्युत विभाग एवं भारतीय रेलवे से विज्ञापनों हेतु स्वीकृत डाक- पंजीकरण संख्या-मेरठ 153.2025.2027 RNI No.UPHIN /2009/31760
साप्ताहिक अखबार श्रम शिखर श्रीकृष्ण भवन (लेन अपोजिट शिव लोक कॉम्पलैक्स), 283/1, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ, मो0 9219660359
प्रधान सम्पादक : सुनीता रानी 9897373736
प्रबन्धक : राकेश गुप्ता 9219660359
बिक्री प्रबन्धक : अश्विनी गुप्ता 9358402365
इंटरनेट प्रबन्धक : मेघा अग्रवाल 9219660359
संरक्षक : ब्रज भूषण 9457213164
कानूनी सलाहकार : दिनेश कुमार चतुर्वेदी एडवोकेट :0121-2760145, 9720171549
मार्केटिंग टीम : 9219660359, 9411990449,
वरिष्ठ नागरिक संयोजक
श्री सुदेश चन्द्र शर्मा पुत्र पं0 होराम शर्मा 245 खारी कुंआ कोतवाली मेरठ, 8630180430
उ0प्र0 ब्यूरोचीफ : अभिलाष गुप्ता 9412203620 प्रभारी दिल्ली एवं महाराष्ट्र : मंजरी गुप्ता, 42 अनामिका अपार्टमेन्ट इन्द्रप्रस्थ विस्तार पटपड़गंज, नई दिल्ली-92
202, बाहर बिल्डिंग, दूरदर्शन हाउसिंग सोसाइटी, गोकुल धाम, अंधेरी ईस्ट, मुम्बई-63

श्रमशिखर कार्यालय

मेरठ–श्रीकृष्ण भवन,283, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ। (0121–2641338) सद्भावना 68ए सांईपुरम, दिल्ली रोड, मेरठ। (9219660359), उत्तराखण्ड – श्री राजेष कुमार गुप्ता, श्री ओम वैष्णव भोजनालय, 78 गांधी रोड, देहरादून (9411548998), गाजियाबाद– (09540018282), अमित कुमार, 705 सी टॉवर, सातवां तल, जी0एच0 1/1, सैक्टर 01, ग्रीन एक्सप्रेस, वैषाली गाजियाबाद,उ0प्र0 09560115905) दिल्ली–राखी मित्तल–एफ–1, त्रवेणी कॉम्पलेक्स षेख सराय फेस–1, न्यू दिल्ली–110017 मो0 9868511922 हरियाणा– राखी मित्तल, रीचमण्ड पार्क डीएलएफ, फेस–4, गुडगांव हरियाणा। मो0 9868511922 मुजफ्फरनगर–विजय बुक स्टोर, मेन रोड, गांधी कॉलोनी, मुजफ्फरनगर। फोन: 9897185208, 9152911899 दिल्ली– **Ankit Sisodia GF - 89, Kailash Hills, East of Kailash, New Delhi-110065** श्रीमती रंजीता गर्ग, बी–120, षॉप नं.5,पांडव नगर दिल्ली मो. 9911808555 लखनऊ– अजय श्रीवास्तव, 3/20,विकास नगर लखनऊ फोन9335208218, मुम्बई–अचल गुप्ता, बी–1603 सनटैक सिटी, गोरेगांव वेस्ट मुम्बई मो.20939916, सरधना–महेष गुप्ता, न्यूज पेपर एजेन्ट मौहल्ला –गुजरान,सरधना, मेरठ।
श्रीमति नेहा गोयल फ्लैट नं0 1207 गोमेड ब्लॉक ''माई होम जैवल'' मदीनागुड़ा हैदराबाद 500049

डाक पंजीकरण संख्या–मेरठ

153-2025-2027 RNI No. UPHIN/2009/31760

मालिक, प्रकाशक, मीना भूषण ने मुद्रक प्रिंटिंग – इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग – पैकेजिंग लिमिटेड, 164/1, मोहकमपुर, दिल्ली रोड़, मेरठ– 250002 से मुद्रित कराकर श्रीकृष्ण भवन, गली अपोजिट शिवलोक कॉम्पलैक्स, 283, वैस्टर्न कचहरी रोड मेरठ से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुनिता रानी
प्रबन्धक: राकेश गुप्ता
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों एवं लेख के चयन एवं सपांदन हेतु जी. आर.वी. एक्ट के अर्न्तगत उत्तर दायी समस्त विवाद मेरठ न्यायालय के अधीन ही होगें।

दीवारों, छतों पर खेती
★ किचन फार्मिंग
★ सुन्दरता
★ प्रकृति की नजदीकी
★ ऑक्सीजन बढ़ायें
★ सब्जियां उगायें
★ वर्टिकल गार्डन (आर्गेनिक खेती)
★ हाइड्रोपोनिक्स (पानी की खेती)
सम्पर्क- स्वामी आत्मोकामरान
मो० 9412843670
सद्भावना समिति (पंजी०) कार्यालय-
श्रीकृष्ण भवन, 283, वैस्टर्न कचहरी रोड़, मेरठ

सद्भावना समिति जागरूकता कोना

सद्भावना समिति द्वारा जनहित के विकास के लिए मुख्य जानकारी–

दोपहर 1 बजे बैंक जाएं या 2.30 बजे, कोई भी बैंक लंच टाइम बोलकर आपको इंतजार करने का नहीं बोल सकता, जानिए क्या है इससे जुड़ा नियम लंच टाइम का बोलकर काम बंद कर देते हैं

–सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बिना लंच ब्रेक के सेवाएं देना बैंकों से अपेक्षित है। बैंक अधिकारी एक–एक करके लंच कर सकते हैं। इस दौरान नॉर्मल ट्रांजेक्शन चलते रहना चाहिए।

– अधिकतर पब्लिक सेक्टर के बैंकों में लंच टाइम का बोर्ड लगा दिया जाता है। लंच के नाम पर ग्राहक घंटों इंतजार करते हैं। जबकि नियमों के मुताबिक ऐसा नहीं किया जा सकता।

– लंच ब्रेक मे बैंक गेट बंद नहीं कर सकते और कस्टमर्स को बाहर इंतजार करने का नहीं कह सकते।

– काउंटर पर कस्टमर्स को अटेंड करने के लिए हमेशा कोई न कोई होना चाहिए।

– 1111 या 2222 जैसे किसी डिनोमिनेशन में डिपॉजिट लेने से कोई बैंक मना नहीं कर सकता। डिपॉजिट लेने से जुड़ी इस तरह की कोई गाइडलाइन नहीं है।और कस्टमर को बैंक में क्या अधिकार मिलते हैं

– चेक कलेक्शन में देरी होती है तो कस्टमर को बैंक से मुआवजा पाने का अधिकार है।

– कस्टमर के अकाउंट से हुए अनऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन के लिए बैंक ग्राहक को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते।

– सिर्फ परमानेंट एड्रेस न होने चलते कोई भी बैंक आपका अकाउंट ओपन करने से मना नहीं कर सकता।

– कस्टमर्स की निजी जानकारी को गुप्त रखना बैंक की जिम्मेदारी है। बैंक इसे किसी अन्य से शेयर नहीं कर सकता।

– जाति, धर्म, लिंग वगैरह के आधार पर बैंक किसी के साथ भेदभाव नहीं कर सकता।

– कोई भी व्यक्ति NEFT के जरिए 50 हजार रुपए तक की रकम ट्रांसफर कर सकता है।

संयोजक–रवि कुमार एड.
सद्भावना समिति पंजी.

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान
हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CITY MEERUT CLASSIFIED
www. shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

MATRIMONAL
वैवाहिक परिचय:- वैवाहिक विज्ञापन में कार्य समूह और आर. एच. फैक्टर जांच कराकर प्रकाशित करायें। यह जन्मपत्री के साथ विज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मिलान है आवश्यकता/उपलब्धता

inter ACT समाधान उपलब्ध
पायें समाधान! अवसर ढुंढ़ रहे है, जरूरत पूरी करें

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CLASSIFIED

चुनियें उन्हें, जिन्हें, ढुंढ रहे है, जरूरत पूरी करें।

आवश्यकता (Jobs)

गाय सेवा एकत्रित करने हेतू ई-रिक्शा, ठेला, वाले रोजगार पायें, अपना बायोडाटा सहित पूर्व निर्धारित समय पर मिलें। रवि कुमार एडवोकेट 9675864737 सद्भावना समिति (पंजी.) कार्यालय- श्रीकृष्ण भवन (शिवलोक कॉम्पलैक्स के के सामने वाली गली) 283, वैस्टर्न कचहरी रोड़, मेरठ - 250001

पत्रकारिता (Press)

बिजनेस प्रमोटर, पत्रकार-संपादक नैचरोपैथी-पंचकर्म, डॉक्टर, वर्कर, क्लर्क, मेल/फीमेल, पार्ट/फुल टाइम आर.आर. ग्रुप - मेरठ मो. 9219660359

प्लैसमेंट पाइए (Facilty)

अपना बायोडाटा भेजें अवसर ही अवसर आपके दरवाजे पर

व्यापार (Service)

श्रम शिखर act
To book this Space
& innovative advertising
Shri Krishan Bhawan, 283, Western Kutchery Road, Meerut-250001 (U.P.)
0121-2641338, 9690331338

खरीदना/बेचना

Prime 4BHK First Floor,Main Nehru Road(Kutchery Ka pul) 2400 Sq Ft.,3 Bath,2 Stores,2 Large Balconies,Garage. M:9837774291

उपलब्ध Man Power (Facilty)

मात्र 100 /रू में अपना नाम व बायोडाटा छपवाने के लिए सम्पर्क करें मो० 9690331338

अपना बायोडाटा भेजें अपनी योग्यता अनुसार अवसर पायें

श्रीकृष्ण भवन, 283/1, वैस्टर्न कचहरी रोड़, मेरठ
Email- rradvertisingmeerut@gmail.com
Mob. 0121-2641338, 9219660359,

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर Mini CLASSIFIED

अपने प्रोपर्टीज, मकान, दुकान, प्लॉट आदि के मुफ्त विज्ञापन प्रकाशित तथा डायरेक्ट पार्टी से सम्पर्क करें।

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर

विज्ञापन बुकिंग हेतू विभिन्न प्रकार

- बुटीक
- यूनिफार्म
- एकेडमिक
- हॉबी क्लासेस
- मोटर ड्राइविंग
- बवासीर/फिशर
- चुम्बकीय चिकित्सा
- नशा छुडवायें
- रिहायशी
- गैर रिहायशी
- भूमि/भूखण्ड
- वाहन संबंधी
- मशीनरी
- पालतू जानवर
- बालों का झड़ना
- कद बढाएं
- व्यक्तिगत सूचना
- इन्वर्टर/बैट्री
- मोबाइन/सेलफोन
- सफेद दाग
- वैवाहिक सेवाएं
- लघु उद्योग
- टीचर्स/शिक्षक
- वर्कर/रोजगार
- सेल्स/मार्केटिंग
- ऑफिस जॉब्स्
- सिक्योरिटी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर
- कॉल सेंटर
- फिल्म इंड्स्ट्री
- तकनीकी
- मेडिकल
- होटल/रेस्त्रां
- अकाउंटेंट
- हाउसकीपिंग
- ड्राइवर
- पार्ट टाइम जॉब्स
- फुल टाइम जॉब्स
- अन्य......

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें मो० 92196 60359

SERVICES

ब्यूटी पार्लर

ब्यूटी पार्लर विशेषताओं के साथ उपभोक्ताओं तक पहुंचे

वर/वधू चाहिए

अपनी योग्यता अनुसार वर/वधू पायें अपना विज्ञापन छपवायें , भेजें नाम, पता, या अपना बायोडाटा के साथ

व्यक्तिगत -सूचना

100 रू प्रति दस शब्दों में छपवायें अतिरिक्त 10 रू प्रति शब्द जैसे- नाम परिवर्तन बेदखल सूचना खोया-पाया नोटिस विज्ञापन आदि.......

TO PLACE AN ADV. IN THIS SECTION PLEASE CALL CONTACT NO. 9690331338

ज्योतिष

ज्योतिष मोहित जी सरधना मो. 9897573188

ज्योतिष मनोज जी मेरठ मो. 9837028526

टूर एण्ड ट्रैवल्स

FRIZZON TRAVEL | EVENTS | FILMS
worldwide Travel as you wish

FlightBooking
Hotel Booking
Car-Rental
Cruise Booking
Train Booking

DOMESTIC ALL INDIA & INTERNATIONAL TOURS AND TRAVELS

BOOKING NOW!

0121-2641338
8266023450

www.frizzontravel.com
E-mail- booking@frizzontravels.com
Meerut | Mumbai | Delhi

मेडिकल सुविधाएं

शकुन डेन्टल हैल्थ क्लीनिक

डॉ. विवेक मित्तल
(Mob. 9997153212)
ज्वालापुरी नाला रोड़ निकट माधवपुरम् क्रासिंग हनुमान मन्दिर दिल्ली रोड़, मेरठ

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर पाठक प्रीविलेज
इच्छाओं और जरूरतों का समाधान उपलब्ध
जाँच शुल्क मे 50%
पूरे विज्ञापन की कटिंग लाने पर दो माह तक प्रभावी

एडवरटाइजिंग

सभी समाचार-पत्रों मे विज्ञापन बुकिंग हेतू

RR Estd. 1979
RR ADVERTISING SERVICES

All India & International All Media Agency

Outdoor
Print
Signage
Magazine
Events
Newspaper
Film
Digital Media
Awareness
Program

rradvertisingmeerut.com
rradvertisingmeerut@gmail.com
0121-2641338
9690331338
9219660359

Shri Krishan Bhawan 283, Western Kutchery Road, Meerut - 250001

हियरिंग सर्विस

मूर्ति हियरिंग एड सेंटर

100% Computerized Digital Hearing Aid

निकट कचहरी पुल, 229, वैस्टर्न कचहरी रोड़, मेरठ (जिला सहकारी बैंक के बराबर वाली गली के अन्दर)
7017397893, 9837169137

ORAM JEWELLERS

/oramjewellers

ORAM JEWELLERS

CELEBRATE THIS FESTIVE SEASON WITH ORAM

GET FREE GOLD COIN on every Purchase*

GET 0.500 gm GOLD COIN on Purchase 1,00,000/- Kisna Diamond Jewellery

Festive Offer

FLAT 9.9% only MAKING CHARGES ON GOLD JEWELLERY

UPTO 30% OFF ON DIAMOND JEWELLERY (Offer not Applicable on kisna Diamond jewellery)

*T&C Apply

NOW RETAIL AT WHOLESALE PRICE

ORAM JEWELLERS Multi Branded Jewellery Showroom

140-C, Garh Road, Near Nai Sarak, Meerut (U.P) Swarn Nagri
0121-4002211 | info@oramjewellers.com | www.oramjewellers.com

डॉ शिवाली गोयल

M.B.B.S., M.S. (Obst. Gynae), Gold Medalist
गायनी लेप्रोस्कोपी सर्जन

यशलोक हॉस्पिटल

20 YEARS EXPERIENCE

उपलब्ध सुविधाएं

- पूर्णतया दूरबीन विधि के द्वारा बच्चेदानी निकालना (TLH)
- बच्चेदानी के रोगों से सम्बन्धित सभी तरह के ऑपरेशन
- गर्भाशय व नलों की रसौली का उपचार (FIBROID & OVARIAN CYST)
- दूरबीन द्वारा बच्चेदानी के अन्दर की जाँच एंव उससे सम्बन्धित ऑपरेशन (OPERATIVE HYSTEROSCOPY)

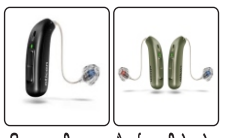

YOUR HEALTH IS OUR PRIORITY

यशलोक हॉस्पिटल एण्ड नर्सिंग होम प्रा० लि०
0121-4026000, 6397444742
ईस्टर्न कचहरी रोड़, शिवाजी मार्ग, मेरठ

श्रम शिखर 9690331338
ई-पेपर पायें सिर्फ एक SMS या मिसकॉल के माध्यम से

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान

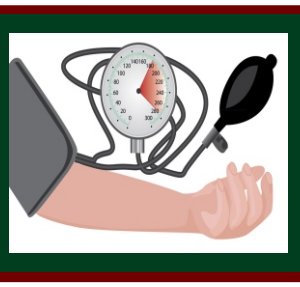

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CITY MEERUT CLASSIFIED
www. shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

+HEALTH+
स्वास्थ्य संबंधित जानकारियां और विभिन्न रोगों के उपचार विज्ञापन के हेतू आवश्यकता/उपलब्धता

चिति विश्राम्य। विश्राम करो! ढीला छोड़ो अपने को! यह तनाव छोड़ो!

कहीं जाने को नहीं, कहीं पहुंचने को नहीं है। और चौतन्य में विश्राम...तो तू अभी ही, इसी क्षण, अधुनैव, सुखी, शांत और बंध-मुक्त हो जाएगा।
अनूठा है वचन ! नहीं कोई और शास्त्र इसका मुकाबला करता है।
शृ ब्राह्मण आदि वर्ण नहीं है और न तू कोई आश्रम वाला है और न आंख आदि इंद्रियों का विषय है। असंग और निराकार तू सबका, विश्व का साक्षी है। ऐसा जान कर सुखी हो।
अब ब्राह्मण कैसे टीका लिखें !
शृ ब्राह्मण आदि वर्ण नहीं है...
अब हिंदू इस शास्त्र को कैसे सिर पर उठाएं! क्योंकि उनका तो सारा धर्म वर्ण और आश्रम पर खड़ा है। और यह तो पहले से ही अष्टावक्र जड़ काटने लगे। वे कहते हैं, तू कोई ब्राह्मण नहीं है, न कोई शूद्र है, न कोई क्षत्रिय है। यह सब बकवास है। ये सब ऊपर के आरोपण हैं। यह सब राजनीति और समाज का खेल है। तू तो सिर्फ ब्रह्म हैय ब्राह्मण नहीं, क्षत्रिय नहीं, शूद्र नहीं!
शृ ब्राह्मण आदि वर्ण नहीं और न तू कोई आश्रम वाला है।
और न तो यह है कि तू कोई ब्रह्मचर्य आश्रम में है कि गृहस्थ-आश्रम में है, कि वानप्रस्थ कि संन्यस्त, कोई आश्रम वाला नहीं है। तू तो इस सारे स्थानों के भीतर से गुजरने वाला द्रष्टा, साक्षी है। अष्टावक्र की गीता, हिंदू दावा नहीं कर सकते, हमारी है। अष्टावक्र की गीता सबकी है। अगर अष्टावक्र के समय में मुसलमान होते, हिंदू होते, ईसाई होते, तो उन्होंने कहा होता, श्न तू हिंदू है, न तू ईसाई है, न तू मुसलमान है।श
अब ऐसे अष्टावक्र को... कौन मंदिर बनाए इसके लिए! कौन इसके शास्त्र को सिर पर उठाए! कौन दावेदार बने! क्योंकि ये सभी का निषेध कर रहे हैं। मगर यह सत्य की सीधी घोषणा है। असंग और निराकार तू सबका, विश्व का साक्षी है-ऐसा जान कर सुखी हो !श
अष्टावक्र यह नहीं कहते कि ऐसा तुम जानोगे तो फिर सुखी होओगे। वचन को ठीक से सुनना। अष्टावक्र कहते हैं, ऐसा जान कर सुखी हो !
न त्वं विप्रादिको वर्णो नाश्रमी नक्षगोचरः। असंगोऽसि निराकारो विश्वसाक्षी सुखी भव। सुखी भव! अभी हो सुखी !
जनक पूछते हैं, श्कैसे सुख होगा? कैसे बंधन-मुक्ति होगी? कैसे ज्ञान होगा? अष्टावक्र कहते हैं, अभी हो सकता है। क्षणमात्र की भी देर करने की कोई जरूरत नहीं है। इसे कल पर छोड़ने का कोई कारण नहीं, स्थगित करने की कोई जरूरत नहीं। यह घटना भविष्य में नहीं घटतीय या तो घटती है अभी या कभी नहीं घटती। जब घटती है तब अभी घटती है। क्योंकि अभी के अतिरिक्त कोई समय ही नहीं है। भविष्य कहां है? जब आता है तब अभी की तरह आता है।
तो जो भी ज्ञान को उत्पन्न हुए हैं- श्अभीश उत्पन्न हुए हैं। कभी पर मत छोड़ना- वह मन की चालाकी है। मन कहता है, इतने जल्दी कैसे हो सकता हैय तैयारी तो कर लें!
मेरे पास लोग आते हैं। वे कहते हैं, श्संन्यास लेना है... लेंगे कभी।श श्कभी!श कभी न लोगे ! कभी पर टाला तो सदा के लिए टाला। कभी आता ही नहीं। लेना हो तो अभी। अभी के अतिरिक्त कोई समय ही नहीं है। अभी है जीवन। अभी है मुक्ति। अभी है अज्ञान, अभी है ज्ञान। अभी है निद्रा, अभी हो सकता जागरण। कभी क्यों? कठिन होता है मन को, क्योंकि मन कहता है तैयारी तो करने दो! मन कहता है, श्कोई भी काम तैयारी के बिना कैसे घटता है? आदमी को विश्वविद्यालय से प्रमाण-पत्र लेना है तो वर्षों लगते हैं। डाक्टरेट करनी है तो बीस-पचीस साल लग जाते हैं, मेहनत करते-करते, फिर आदमी जाकर डाक्टर हो पाता है। अभी कैसे हो सकते हैं?श अष्टावक्र भी जानते हैंरू दुकान करनी हो तो अभी थोड़े खुल जाएगी! इकट्ठा करना पड़े, आयोजन करना पड़े, सामान लाना पड़े, दुकान बनानी पड़े, ग्राहक खोजने पड़े, विज्ञापन भेजना पड़े- वर्षों लगते हैं! इस जगत में कोई भी चीज श्अभीश तो घटती नहींय क्रम से घटती है। ठीक है। अष्टावक्र भी जानते हैं, मैं भी जानता हूं। लेकिन एक घटना यहां ऐसी है जो अभी घटती है- वह परमात्मा है। वह तुम्हारी दुकान नहीं है, न तुम्हारा परीक्षालय है, न तुम्हारा विश्वविद्यालय है। परमात्मा क्रम से नहीं घटता। परमात्मा घट ही चुका है। आंख भर खोलने की बात है- सूरज निकल ही चुका है। सूरज तुम्हारी आंख के लिए नहीं रुका है कि तुम जब आंख खोलोगे, तब निकलेगा। सूरज निकल ही चुका है। प्रकाश सब तरफ भरा ही है।
अहर्निश गूंज रहा है उसका नाद! ओंकार की ध्वनि सब तरफ गूंज रही है! सतत अनाहत चारों तरफ गूंज रहा है! खोलो कान ! खोलो आंख !
आंख खोलने में कितना समय लगता है? उतना समय भी परमात्मा को पाने में नहीं लगता। पल तो लगता है पलक के झपने में। पल का अर्थ होता है, जितना समय पलक को झपने में लगता, उतना पल। मगर परमात्मा को पाने में पल भी नहीं लगता। विश्वसाक्षी, असंगोऽसि निराकारो। सुखी भव !
अभी हो सुखी! उधार नहीं है अष्टावक्र का धर्म- नगद, कैश...।
हे व्यापक, धर्म और अधर्म, सुख और दुख मन के हैंय तेरे लिए नहीं हैं। तू न कर्ता है न भोक्ता है। तू तो सर्वदा मुक्त ही है। मुक्ति हमारा स्वभाव है। ज्ञान हमारा स्वभाव है। परमात्मा हमारा होने का ढंग हैय हमारा केंद्र हैय हमारे जीवन की सुवास हैय हमारा होना है। धर्माऽधर्मौ सुखं दुःखं मानसानि न तो विभो। अष्टावक्र कहते हैं, श्हे व्यापक, हे विभावान, हे विभूतिसंपन्न ! धर्म और अधर्म, सुख और दुख मन के हैं।श ये सब मन की ही तरंगें हैं। बुरा किया, अच्छा किया, पाप किया, पुण्य किया, मंदिर बनाया, दान दिया- सब मन के हैं। न कर्तासि न भोक्तासि मुक्त एवासि सर्वदा।
तू तो सदा मुक्त है। तू तो सर्वदा मुक्त है। मुक्ति कोई घटना नहीं है जो हमें घटानी है। मुक्ति घट चुकी है हमारे होने में। मुक्ति से बना है यह अस्तित्व। इसका रो-रोआं, रंच-रंच मुक्ति से निर्मित है। मुक्ति है धातु, जिससे बना है सारा अस्तित्व। स्वतंत्रता स्वभाव है। यह उदघोषणा, बस समझी कि क्रांति घट जाती है। समझने के अतिरिक्त कुछ करना नहीं है। यह बात खयाल में उतर जाए, तुम सुन लो इसे मन भर कर, बस !
तो आज इतना ही कहना चाहूंगा:
अष्टावक्र को समझने की चेष्टा भर करना। अष्टावक्र में श्करनेश का कोई इंतजाम नहीं है। इसलिए तुम यह मत सोचना कि अब कोई तरकीब निकलेगी जो हम करेंगे। अष्टावक्र कुछ करने को कहते ही नहीं। तुम विश्राम से सुन लो। करने से कुछ होने ही वाला नहीं है। इसलिए तुम कापी वगैरह, नोटबुक लेकर मत आना कि लिख लेंगे, कुछ आएगा सूत्र तो नोट कर लेंगे, करके देख लेंगे। करने का यहां कुछ काम ही नहीं है। इसलिए तुम भविष्य की फिक्र छोड़ कर सुनना। तुम सिर्फ सुन लेना। तुम सिर्फ मेरे पास बैठ कर शांत भाव से सुन लेना, विश्राम में सुन लेना।
सुनते-सुनते तुम मुक्त हो जा सकते हो। इसलिए महावीर ने कहा है कि श्रावक मुक्त हो सकता है-सिर्फ सुनते- सुनते ! श्रावक का अर्थ होता है जो सुनते-सुनते मुक्त हो जाए। साधु का तो अर्थ ही इतना है कि जो सुन-सुन कर मुक्त न हो सका, थोड़ा कमजोर बुद्धि का है। कुछ करना पड़ा। सिर्फ कोड़े की छाया काफी न थी। घोड़ा जरा कुजात है। कोड़ा फटकारा, तब थोड़ा चलाय या मारा तो थोड़ा चला।
छाया काफी है। तुम सुन लेना, कोड़े की छाया दिखाई पड़ जाएगी। तो अष्टावक्र के साथ एक बात स्मरण रखना: कुछ करने को नहीं है। इसलिए तुम आनंद-भाव से सुन सकते हो। इसमें से कुछ निकालना नहीं है कि फिर करके देखेंगे। जो घटेगा वह सुनने में घटेगा। सम्यक श्रवण सूत्र है।
अधुनैव सुखी शांतः बंधमुक्तो भविष्यसि
अभी हो जा मुक्त ! इसी क्षण हो जा मुक्त! कोई रोक नहीं रहा। कोई बाधा नहीं है। हिलने की भी जरूरत नहीं है। जहां है, वहीं हो जा मुक्त। क्योंकि मुक्त तू है ही। जाग और हो जा मुक्त !
असंगोऽसि निराकारो विश्वसाक्षी सुखी भव।
हो जा सुखी ! एक पल की भी देर करने की कोई जरूरत नहीं है। छलांग है, क्वांटम छलांग ! सीढ़ियां नहीं हैं अष्टावक्र में। क्रमिक विकास नहीं हैय सडन, इसी क्षण हो सकता है..

– ✍ ओशो

हमारे बुजुर्ग-हमारी सम्पदा
(मार्ग -दर्शक हमारे वरिष्ठ नागरिक)

वरिष्ठ नागरिक परिपक्व पुष्प है जिसकी सुगंध से समाज को उनके अनुभवों द्वारा लाभन्वित किया जा सकता हैं। क्योंकि प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक एक स्वयं संस्थान है । जिसके द्वारा युवा पीढ़ी मार्गदर्शन प्राप्त कर विकास के पथ पर अग्रसर होगी।वरिष्ठ नागरिक फोरम सद्भावनाा समिति मेरठ का मिशन है। कि मेरठ के सभी वरिष्ठ नागरिकों की रचनात्मकता का सदुपयोग हो इसके लिए प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक का परिचय पत्र बनायें जायेगा तथा प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को श्रम शिखर समाचार पत्र की वर्षिक सदस्यता प्रदान की जायेगी जिससे वे अपने अनुभव, रचनाएं (कविता, कहानी, लेख आदि) श्रम शिखर में प्रकाशन हेतू भेज सके।

जिन्दगी के राज..... श्रीमति ऊषा महेन्द्रा

जिन्दगी के राज, राज ही रहने दो.. खुल जायेगें जिस दिन तुफान आ जायेगा।
क्यों जिन्दगी की चैन खाते हो तुम, रहो शान्ति से खुशी-खुशी जीयो जग में।।
हर राज कहे नही जाते, समय के साथ-साथ बीत जाते है।
यदि खोल दिये राज भावुकता में बैचन हो जायेगें।
हर इंसान के होते है निजी राज कुछ अपने जिनको संभालकर रखना पड़ता है।
राज एक परदा होता है। जिन्दगी में सबके, कुछ राज खुल जाते है। समय पर अपने आप जो, चाहें हो राज अच्छे और गुणकारी- सबके निकालने है अर्थ असकी भिन्न राज में छिपें होते है। न जाने कितने राजों में छिपे रहते है। खुलते ही राजों का जिंदगी हो जाती है। बैचेन शान्ति रह पाती हैं जाती है जिन्दगी दुखी बस-इन राजों को छिपाकर ही रखता कभी तो सफलता मिल ही जायेगी जीवन की ---- एक बहन

कभी हम भी थे, तुम जैसे (काव्य रचना)

जमाना बीत गया पुरातन आया नया जमाना
करते थे काम सब दौड-दौड कर अपना
और पराया भी नही होती थी थकान और
आलस्य हमें नही होती थी भावना और
गरीबी की छोटे और बड़े खाते पीते थे
साथ-साथ तब बढता था प्यार दिनों दिन
जब हंसी खुशी रहती थी होठों पर भाव पर
कोमलता करते थे सम्मान बड़ो का और
उनके सब काम नही थी घृणा गरीबी और
भावना दिलों में सबके जीना भी लगता था
अच्छा हंसी खुशी का देख समर्थ हीन किसी
को, करते मदद दौडकर-दौडकर दुखी जनो
के थे साथी, और हमदम सबके समय बीत
गया स्वर्णमय वह जीवन का हो गया। अब
देख-देख वे सब बातें उलट-पलट सा हो
गया जीवन अपना परिवार लगता है। सब
प्यारा-प्यारा सबको वृद्धों की नही है कोई
गणना जीवन में उनकी कमजोरियां बस रह
गयी उन तक ही बुढापे के रोग और उनके
अवगुण ही आते है। नजर। बस करते हैं
बैठे-बैठे याद उस धर्मयुग का नही आ सकता
वह प्यारा सा जमाना लौटकर कभी रहना
पड़ेगा इस कलयुगी जमाने में ही दिन भर
मोबाइल कानों पर नही रहता ध्यान किसी
का भी, और कामों का भी ।
हो गयी दूरियां अपने और परायों से भी अब
यह सब बातें छोड़ो अब तक तुम भी यह
जीवन तो बीत गया और बीतेगा ऐसे ही इसी
भावना को रखकर करों अपना, मन शान्त
बस कर्म करते रहो, बीत जायेगा, बीत जायेगा

ऊषा महेन्द्रा
अवकाश प्राप्त शिक्षिका

जगदम्बा स्तुति

सदा प्रसन्ना मां जगदंबा
मम हृदय तुम वास करो।
लेकर खड़ग त्रिशूल हाथ में
मम शत्रुदल संहार करो।
चड-मुंड के मुंड धारण कर्ता
मम संकट का भी हरण करो।
तंत्र विद्या की प्रारंभा देवी
शत्रु तंत्र मंत्र यंत्र का शमन करो।
चौसठ योगिनी संगी कर्ता
मम योग विद्या उत्थान करो।
रक्तबीज का रक्त पान कर्ता
मम शत्रुदल रुधिर पान करो।
भैरव के संग नृत्य कर्ता
मम शत्रुदल अट्टहास कर ध्वस करो।
जय जय जय मां जगदंबा काली
मम हृदय तुम सदैव वास करो।

दीप...

दीप जलते नहीं, जलाए जाते है।
मोहब्बत की नहीं, निभाई जाती है।
खुशियां आती नहीं ,लाई जाती है।
अपने बनते नहीं , बनाए जाते है।
कर्म दिखाए नहीं ,किए जाते है।
हमसफर दिखाया नहीं ,बनाया जाते है।
सत्य समझाया नहीं, समझा जाता है।
श्री राम बनाए नहीं ,कर्मो से बना जाता है।

– डॉ.राजीव डोगरा
(युवा कवि लेखक)
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान
हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CITY CLASSIFIED MEERUT
www. shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

EDUCATION
शिक्षा कार्य- शिक्षा संबन्धित जानकारियों और विभिन्न कोर्सो के विज्ञापन हेतू आवश्यकता/उपलब्धता